बरेली, सोमवार
5 मई, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO. II: BOTTOM

रिद्धिमा में गुरुओं व शिष्यों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जास. बरेली : रिद्धिमा में रविवार शाम गायन और वाद्य यंत्रों के गुरुओं और शिष्यों के नाम रही। इसमें मिश्र पहाड़ी राग, 'शोले फिल्म के टाइटल गीत' और फिल्म जवानी दीवानी में आरडी बर्मन की कंपोजिशन 'जाने जां ढूंढता फिर रहा' को अपने वाद्य यंत्रों से प्रस्तुत किया। गायन गुरुओं स्नेह आशीष दुबे, प्रियंका ग्वाल और शालिनी पांडेय ने इंस्ट्रूमेंट गुरुओं की संगत में अपने विद्यार्थियों संग 'अलबेला साजन आयो री' को आवाज दी। कार्यक्रम का आगाज इंस्ट्रूमेंटल गुरुओं ने गणेश वंदना से किया। वाद्य यंत्रों के गुरू उमेश मिश्रा (सारंगी), सूर्यकांत चौधरी (वायलिन), सुमन बिस्वास (मृदंगम), टुकमनी सेन (हारमोनियम), सूरज पांडेय (बांसुरी), अमरनाथ (तबला), अनुग्रह सिंह (कीबोर्ड-ड्रम), विशेष सिंह (गिटार), सुरेंद्र (कांगो), रोनी फिलिप्स (सेक्सोफोन) और वाद्य यंत्रों के विद्यार्थियों डा. नम्रता सिंह, विवान अग्रवाल, अनुज सक्सेना, मंतिका अरोरा, गुरांश सिंह आदि ने जुगलबंदी से सिंफनी में तालियां बटोरीं। फिल्म अजनबी के गाने 'भीगी भीगी रातों में' को फोटोग्राफी गुरु गौरव ने अपने स्वर दिए। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. शैलेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

रिद्धिमा में प्रतिभा प्रदर्शन करते कलाकार • सौ. संस्था